टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ٹائمس آف پیڈیا

TIMES OF PEDIA

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 01 DEC - TUE 07 DEC, 2021

VOL. 9. ISSUE 50

RNI No. DELMUL/2012/47011

किसानों का आंदोलन अभी रहेगा जारी

किसान पिछले साल 26 नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि उनकी सरकार तीनों विवादास्पद कानूनों को वापस लेगी. कृषि कानूनों की वापसी के एलान के बावजूद किसानों का आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है. दिल्ली बॉर्डर पर एक बार फिर किसानों को जमावड़ा शुरू हो गया है. बड़ी संख्या में किसान सड़कों पर जुट रहे हैं. हालांकि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने संबंधी विधेयक को बुधवार को मंजूरी दे दी. संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने से संबंधित विधेयक पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध है.

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहा किसानों का आंदोलन अभी खत्म नहीं होगा और आगे की रूपरेखा 27 नवंबर को तय की जाएगी.

टिकैत ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के केंद्र सरकार के दावों को लेकर भी प्रदर्शनकारी उससे सवाल करेंगे. टिकैत ने ट्वीट किया, श्ये आंदोलन अभी खत्म नहीं होगा. 27 नवंबर को हमारी बैठक है जिसके बाद हम आगे के निर्णय लेंगे. मोदी जी ने कहा है कि एक जनवरी से किसानों की आमदनी दोगुनी हो जाएगी तो हम पूछेंगे कि कैसे दोगुनी होगी. किसानों की जीत तब होगी जब उन्हें अपनी फसलों के उचित दाम मिलेंगे.श हालांकि, राष्ट्रीय किसान मजदूर सभा के प्रतिनिधि और किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी को श्बड़ा दिनश करार दिया और कहा कि इससे सरकार का रुख श आधिकारिकश हो गया है.

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के तत्वावधान में किसान पिछले साल संसद द्वारा पारित तीन कानूनों को निरस्त करने और सभी फसलों के लिए एमएसपी को वैध बनाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. इस समय सरकार चावल और गेहूं को प्रमुख रूप से एमएसपी प्रदान करती है, भले ही सूची में 21 अन्य फसलें भी हैं. आंदोलनकारी किसानों की मांग है कि सरकार को एमएसपी को कानूनी दर्जा देना चाहिए जिसमें किसान से खरीदारी करने वाला निजी व्यापारी भी हो, तो उपज को एमएसपी या उससे अधिक के बराबर दर मिलती है. किसान को एमएसपी से नीचे भुगतान करने वाले को कानूनी सजा दी जाएगी. —एजेंसी

Ali Aadil Khan - Editor's Desk

अय्याश और आंतकियों के सामने सरकार नतमस्तक

लोक सभा सत्र के दौरान किसान आंदोलन के सिलसिले में कई सवाल पूछे गए जिनमें मृतक किसानो का मुदा सबसे अहम् है, आज उसी पर खास बात रहेगी. आजके प्रोग्राम में आपको यह भी बताएँगे की बिकाऊ मीडिया किस तरह से अपने फर्ज से मुंह मौड़ रहा है और सिर्फ पैसा उसका लक्ष्य बन गया है.

सरकार से सवाल पूछा गया कितने किसानों की मौत हुई? जवाब मिला हमारे पास आंकड़े नहीं हैं.

सवाल हुआ की क्या मृतकों के परिवारों को मुआवजा मिलेगा? कृषि मंत्री ने जवाब दिया आंकड़े नहीं हैं तो मुआवजा का सवाल ही नहीं उठता, सवाल हुआ की अगर आंकड़े मिल जाते हैं तो क्या मुआवजा दिया जाएगा, जवाब में सिर्फ खामोशी थी.

संसद में सवाल पूछा गया की आंकड़े इकठ्ठा क्यों नहीं किये गए? केंद्र सरकार ने कहा आंकड़े इकठ्ठा करना राज्ये सरकारों की जिम्मेदारी होती है

जबकि पंजाब सरकार ने आंदोलन में मरने वाले किसानो का आंकड़ा पेश किया और जानकारी दीऋजिसमें बताया गया 2021 के मध्य तक 220 किसानों की मौत हुई और 10 करोड़ 68 लाख का मुआवजा भी दिया गया, अभी कुछ को देना बाकी है. जब एक राज्य ने आंकड़े इकठ्ठा कर लिए तो दुसरे राज्य क्यों नहीं कर पाए खास तौर से गैर भाजपाई शासित राज्य आंकड़े क्यों नहीं दे पा रहे? सवाल तो सबसे ही होगा न?

ष्देश से माफी मांगते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, ष्मैं सच्चे और शुद्ध मन से कहना चाहता हूं कि शायद हमारी तपस्या में कुछ कमी थी कि हम अपने कुछ किसान भाइयों को समझा नहीं सके.ष लेल्किन सवाल यह है की अगर कुछ किसानों को नहीं समझा सके तो क्या ज्यादातर को समझा दिया गया है?

वैसे बकौल गोदी मीडिया के अय्याश जीवी, आंदोलन जीवी, पाकिस्तानी, खालिस्तानी और आतंकी कहे जाने वाले किसानो के लिए न तो किसी तपस्या की जरुरत होनी चाहिए थी और न ही समझने और समझाने की, लेकिन आज उन्ही अय्याश जीवियों के लिए संसद की कार्रवाई चली और कानून वापस लिया गया,

अब जिनको ये ढोंगी मीडिया आतंकी, अय्याशजीवी और पाकिस्तानी बता रहा था उनकी जीत हो गयी दुसरे अल्फाज में कहें तो सरकार अय्याशों, खालिस्तानियों और आतंकियों के सामने नतमस्तक होगी, अगर ऐसा नहीं है तो अब ये मीडिया भी इन किसानों से माफी मांगे, जिनके लिए मोदी जी जैसा लोह पुरुष माफी रहा है. खैर

हमें लगता है देशभक्त इसपर सत्ताधारी पार्टी और ढोंगी मीडिया को सबक जरूर सिखाएंगे, अगर सच्चे देशभक्त हैं तो.. इससे यह भी तयरू करना आसान होगा की किसान आंदोलनकारी फर्जी हैं या खुद को देशभक्त कहलाने वाले मीडिया हाउस और अंधभक्त.

वैसे फर्जी आन्दलोनकारियों ने देशभक्त मीडिया को काफी दौड़ाया इस बार, टिकने ही नहीं दिया टिकैत और उनके साथियों ने और 1 दिसंबर की घटना ने तो तय कर दिया की टिकैत की पूरी कैबिनेट गोदी मीडिया को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है. हालांकि इन मीडिया studios में एक बार फिर उन किसानों को कोसना शुरू कर दिया है जिनकी वजह से प्रधान मंत्री जी देश से माफी मान चुके हैं. हमारी नाराजगी उन मीडिया कर्मियों से ज्यादा है जो पत्रकारिता के पाकीजा पेशे को बदनाम करने पर उतारू हैं, और सहाफत के खूबसूरत और मजबूत जिस्म को बेजाँ बना दिया है जिसमें से अब बदबू आने लगी है, बचे इक्का दुक्का मीडिया घराने अगर जिंदा न होते तो शायद जर्नलिज्म की नस्ल ही खत्म हो गयी होती.

वैसे आंकड़ों का खेल पुराना है. कोरोना से मरने वालों की सही संख्या न बताने और छुपाने पर विपक्ष और कई संस्थाए सरकार को सवालों के घेरे में लेती रही है, इसी सम्बन्ध में ऑक्सीजन की कमी से मरने वालों का आंकड़ा जब पूछा गया था तो भी सरकार ने इससे पल्ला झाड़ लिया था और कहा हमारे पास इसका आंकड़ा ही नहीं है,बल्कि इससे और आगे निकल कर कहा गया की मौतें ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई. यानी साफ झूट बोल दिया गया. अब कोरोना से मरने वालों की जानकारी हासिल करने के लिए आईसीएमआर की तरफ से राज्ये सरकारों को जो Performa भेजा गया था उसमें ऑक्सीजन की कमी से मरने वालों की संख्या का Column ही नहीं था. यानी आंकड़ों की सही तादाद इकट्ठा करने की जेहमत ही नहीं की गयी थी.

दरअसल 100 प्रतिशत सही आंकड़ों की जानकारी लगभग किसी भी क्षेत्र में नहीं है. प्रवासी मजदूरों की कोरोना समय में पलायन के दौरान होने वाली मौतों की संख्या का आंकड़ा भी सरकारों के पास मोहय्या नहीं हैं. कोरोना काल में कितने स्कूली बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है इसका भी कोई डाटा हमारी सरकारों के पास नहीं है.देश में आदर्श ग्राम योजना के तहत कितने ग्राम आदर्श बन गए हैं, और कितने स्मार्ट शहर बन चुके हैं इनका हिसाब बहुत जल्द पता लग जाऐगा.

Editor/Owner/Printer/Publisher: Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

सरकार के पास बुंदेलखंड के विकास के लिए कोई योजना नहीं है- प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने कहा, कोरोना काल में आर्थिक तंगी के चलते बिजली बिल न जमा करने वालों का बिजली बिल भी माफ होगा. महिलाओं को साल में तीन घरेलू गैस सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे.2022रू कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को श्लड़की हूं, लड़ सकती हूं के नारे के उद्घोष के साथ कहा कि भाजपा की नई खनिज नीति, किसानों की दुर्दशा, पानी की समस्या, बेरोजगारी, महंगाई के चलते बुंदेलखंड का बुरा हाल है. प्रियंका ने दावा किया कि श्हम भाजपा की लूट वाली नीति को खत्म करेंगे.श कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने छत्रसाल स्टेडियम में श्प्रतिज्ञा रैलीश में वादा किया, ष्उत्तर प्रदेश में यदि कांग्रेस की सरकार बनती है तो किसानों का पूरा कर्ज माफ होगा और महिलाओं को साल में तीन घरेलू गैस सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे.

प्रियंका गांधी ने कहा, ष्कोरोना काल में आर्थिक तंगी के चलते बिजली बिल न जमा करने वालों का बिजली बिल भी माफ होगा.बुंदेलखंड के किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि बुंदेलखंड के संसाधनों पर बुंदेलखंड के लोगों का हक है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बुंदेलखंड को छलने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि खाद की कमी के चलते बुंदेलखंड में किसान आत्महत्या कर रहे हैं. उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर किसानों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दावा किया कि दो सालों में 1500 किसानों ने आत्महत्या की.

बुंदेलखंड के विकास के लिए काम करने का भरोसा देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की तरह चुनावी बुंदेलखंड विकास बोर्ड नहीं बल्कि इसके लिये स्थाई बुंदेलखंड विकास बोर्ड बनेगा. बुंदेलखंड विकास बोर्ड के लिए हर साल विकास का बजट दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि महोबा में वीर आल्हा–ऊदल के नाम पर एक बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बनायेंगे. उन्होंने कहा कि हमने छुट्टा जानवरों के लिए छत्तीसगढ़ के मॉडल को लागू करने की योजना बनायी है और हमारी सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ मॉडल यहां लागू करेंगे.

कांग्रेस महासचिव ने भरोसा दिया हमने ये भी तय किया है जिन परिवारों को सबसे ज्यादा आर्थिक मार कोरोना की पड़ी है, जिनके छोटे–छोटे कारोबार बंद हुए उनको 25000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी.श्श साथ ही यह भी कहा श्श्हमने यह भी तय किया कि 20 लाख सरकारी रोजगार देंगे और हमारी सरकार बनने के बाद कोई भी बीमारी हो तो 10 लाख रुपये तक का इलाज सरकार करवायेगी.

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार के पास बुंदेलखंड के विकास के लिए कोई योजना नहीं है. उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा श्आप पूछिये कि यहां के पान के लिए क्या योजना है, भंवर सागर के लिए क्या योजना है.श उन्होंने कहा कि पत्थर यहां का सोना है लेकिन सरकार की गलत नीतियों के कारण यहां के लोगों को कुछ नहीं मिल रहा है. उन्होंने सरकार पर पर्यटन उद्योग को बर्बाद करने का आरोप लगाया. कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार दोपहर बाद महोबा पहुंचीं. रैली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी मौजूद थे.

–एजेंसी

क्या बिहार में शराबबंदी विफल साबित हो रही है?

बिहार में शराबबंदी किस कदर विफल साबित हो रही है, उसका उदाहरण मंगलवार को विधानसभा परिसर में ही देखने को मिला. यहां उस समय सनसनी फैल गई जब शराब की कई खाली बोतल मिलीं. विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव खुद उस जगह पर गए, जहां शराब की बोतलें पड़ी थीं.तेजस्वी ने इसे लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमले करते हुए उन्हें घेरने की कोशिश की.

तेजस्वी ने कहा कि ऐसे समय जब विधानसभा की सुरक्षा इतनी कड़ी है. तब शराब के बोतलें मिलना साफ करता हैं कि बिहार में शराबबंदी नाकाम है. उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा परिसर में कितने धड़ल्ले से शराब की बोतल पहुंच गई. अगर बिहार विधानसभा में बोतल पहुंच गई तो सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए. जहां सीएम खुद बैठे हैं, वहां से यह स्थान 100 मीटर भी नहीं होगा.

तेजस्वी ने कहा कि बिहार विधानसभा के अंदर शराब की बोतल कहां से आई ?मुख्यमंत्री को खुद मुआयना करना चाहिए. शराब माफिया के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर हमने देखी है. नीतीश कुमार के मंत्रियों को अपराध करने की छूट है. ब्ड को बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि बेराजगारी, चिकित्सा, पलायन आदि मामलों में इस सरकार ने बिहार को बदनाम कर दिया है. बिहार में जहरीली शराब से 70 से ज्यादा मौतों को लेकर आलोचना झेल रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में स्वीकार किया था कि राजधानी पटना में शराब बिक भी रही है और लोग पी भी रहे हैं. शराबबंदी के मामले में नीतीश को अपने ही सहयोगी दल बीजेपी की भी आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है.

बिहार भाजपा अध्यक्ष और लोकसभा सांसद संजय जायसवाल ने कुछ समय पहले कहा था कि पुलिस की मिलीभगत के बिना राज्य में अवैध शराब की बिक्री नहीं हो सकती. जायसवाल ने कहा कि निश्चित रूप से इस नीति की समीक्षा करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा था कि स्थिति भयावह है. पुलिस प्रशासन की मदद से ही पूर्वी चंपारण क्षेत्र में शराब का कारोबार हो रहा है.

हालांकि नीतीश कुमार ने शराब बंदी को कड़ाई से लागू करने के लिए पिछले हफ्ते कई फैसले भी लिये थे. चौकीदार से लेकर आला अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गई थीं. लेकिन इस कड़ाई का असर नहीं दिख रहा है.

–एजेंसी

NOTICE:

Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डेंगू का कहर

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डेंगू का कहर थम नहीं रहा है लेकिन बीते कुछ हफ्तों के मुकाबले रफ्तार जरूर कम हुई है. सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष डेंगू के 8276 मामलों की पुष्टि हुई है.वहीं एक सप्ताह में 1148 डेंगू के मरीज सामने आए हैं. डेंगू के मामलों में पिछले हफ्तों के मुकाबले इस हफ्ते गिरावट देखी गई है. इसके अलावा मलेरिया के 167 केस और चिकनगुनिया के 89 मामले सामने आए हैं. इसके साथ ही बीते हफ्ते चिकनगुनिया और मलेरिया का एक भी मामला नहीं बढ़ा है.

यदि पिछले वर्षों के डेंगू के आंकड़ों की बात की जाए तो वर्ष 2020 में कुल 1072 मामले दर्ज किए गए, वहीं 2019 में 2036, 2018 में 2798, 2017 में 4726 और 2016 में 4431 मामलों की पुष्टि हुई थी.

नगर निगम की जारी एक रिपोर्ट में सामने आया है कि, नवंबर महीने की 27 तारीख तक ही अकेले 6739 डेंगू के मरीज सामने आए हैं.

–एजेंसी

पेपर लीक से प्रिंटिंग फर्म की भूमिका पर संदेह

यूपी–टीईटी का पेपर परीक्षा शुरू होने से 12 से 15 घंटा पहले ही आउट हो गया था. सभी डेढ़ सौ प्रश्नों के हल शनिवार रात से रविवार सुबह तक व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजे गए. आश्चर्य की बात है के सभी डेढ़ सौ प्रश्न पेपर के हूबहू थे और उनके सटीक जवाब भी हल कर लिए गए थे. इसमें कम से कम डेढ़ से 2 घंटे का समय लगा होगा. सुबह इसकी भनक एसटीएफ को लगी तो पूरे तंत्र के कान खड़े हो गए और आनन–फानन में गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया.

मुख्यमंत्री तक बात पहुंची तो उन्होंने तत्काल परीक्षा निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए. विधानसभा चुनाव से पहले इतनी बड़ी घटना से सरकार की भी किरकिरी हुई है. हालांकि मुख्यमंत्री ने यह साफ कर दिया है कि जो भी इस मामले में दोषी मिलेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस पूरे प्रकरण में पेपर कैसे आउट हुआ या बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है. परीक्षा से दो घंटा पहले पेपर मजिस्ट्रेट की निगरानी में केंद्रों तक पहुंचाया जाना है. ऐसे में सवाल है कि 12 से 15 घंटा पहले नकल माफिया के हाथ पेपर कैसे लग गया. इस प्रकरण में प्रिंटिंग फर्म की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है. ऐसा इसलिए भी है क्योंकि इससे पहले परीक्षा नियामक प्राधिकारी की ओर से कराई गई 68500 शिक्षक भर्ती परीक्षा में भी प्रिंटिंग फर्म ने भारी अनियमितताएं की थी. ऐसे अभ्यर्थियों को पास कर दिया गया था जो परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए. इस प्रकरण में तत्कालीन सचिव सुत्ता सिंह को निलंबित कर दिया गया था. इससे पहले भी बीटीसी के पेपर लीक प्रकरण में प्रिंटिंग फर्म के मालिक की गिरफ्तारी हो चुकी है.

पेपर लीक के बाद एक बड़ा सवाल उठ रहा है कि गवर्नमेंट प्रेस से प्रश्न पत्र क्यों नहीं छपवाए जाते हैं. प्राइवेट लोगों के हाथ में यह काम क्यों सौंपा जाता है. जब यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए करोड़ों कापियां राजकीय मुद्रणालय में छपवाई जा सकती हैं तो पेपर छपवाने जैसे महत्वपूर्ण और गोपनीय कार्य को निजी लोगों के हाथ में क्यों दिया जाता है. जो कुछ रुपयों के लालच में इसे लीक कर सकते हैं.

–एजेंसी

आयकर विभाग ने राजस्थान में तलाशी अभियान चलाकर छापे मारे

आयकर विभाग ने 23.11.2021 को जयपुर में आभूषण एवं रंगीन रत्नों के निर्माण तथा निर्यात कार्य में लगे एक समूह के ठिकानों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया. इस कार्रवाई के दौरान जयपुर और उसके आसपास के विभिन्न स्थानों पर 50 से अधिक परिसरों पर छापे मारे गए.

तलाशी अभियान के दौरान यह पता चला कि उपरत्नों और कीमती पत्थरों के लिए कच्चा माल अफ्रीकी देशों से आयात किया जाता है और इन्हें जयपुर में परिष्कृत किया जाता है. तराशे हुए तथा पॉलिश किए गए रत्नों की खेप को रख लिया जाता है और इनका कुछ हिस्सा नकद में बेचा जाता है, जिससे बेहिसाब आमदनी होती है और उसे बही खातों में दर्ज नहीं किया जाता है. इस तरह की गैर हिसाबी धन को फिर एक वित्तीय दलाल के माध्यम से नकद ऋण प्रदान करके ब्याज अर्जित करने के लिए उपलब्ध कराया जाता है. तलाशी लेने वाली टीम ने ऐसे नकद ऋणों के संवितरण और उस पर अर्जित ब्याज के दस्तावेजी तथा डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं.

लेनदेन की इस प्रकृति को वित्तीय दलाल द्वारा दाखिल किया गया है. इन सब के अलावा, बेहिसाब बिक्री और खरीद, स्टॉक में अंतर, गैर–वास्तविक असुरक्षित ऋण तथा शेयर आवेदन राशि आदि से संबंधित साक्ष्य भी बरामद किये गए हैं. इसके अतिरिक्त, विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) से संचालित समूह की संस्थाओं से दस्तावेज भी मिले हैं, जो यह दर्शातें हैं कि वे इन इकाइयों से अधिक लाभ घोषित करने के लिए अनुचित कार्य प्रणालियों में लिप्त हैं क्योंकि इन इकाइयों से प्राप्त होने वाली धनराशि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10एए के तहत छूट के लिए पात्र है.

तलाशी कार्रवाई में करीब चार करोड़ रुपये नकद और नौ करोड़ रुपये मूल्य के जेवरात बरामद हुए हैं. अब तक, समूह में 500 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया गया है, जिसमें से 72 करोड़ रुपये की कुल राशि को संबंधित समूह संस्थाओं द्वारा अपनी अघोषित आय के रूप में स्वीकार किया गया है.

आगे की कार्रवाई जारी है.

–पीआईबी

उत्तर प्रदेश में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में आरोप प्रत्यारोप की लड़ाई हुई तेज

उत्तर प्रदेश में जैसे–जैसे चुनाव करीब आ रहा है, राजनीतिक दलों में आरोप प्रत्यारोप बढ़ता जा रहा है. भाजपा के ट्विटर हैंडल से आज एक ट्वीट आया जिसमें प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तस्वीर छाप कर बेटियों के साथ दरिंदगी का जिक्र किया गया है.ट्वीट में लिखा है भूले तो नहीं. बसपा सरकार में बेटियों के साथ हुई दरिंदगी और तस्वीर में 21 जून 2011 के अखबार की एक खबर है जिसमें महिलाओं के साथ तत्कालीन मायावती सरकार में हुई दरिंदगी की बात की गई थी. इस ट्वीट के आते ही सोशल मीडिया यूजर्स के रिएक्शन आने लगे.

यूपी भाजपा के हैंडल से मायावती की तस्वीर के साथ ट्वीट आते ही सोशल मीडिया में प्रतिक्रियायों का दौर शुरू हो गया. यूजर्स ने प्रदेश की हालिया कानून व्यवस्था पर दुख व्यक्त करते हुए तीखी टिप्पणियाँ कीं. बता दें कि हाल ही में हुई प्रयागराज की जघन्य घटना पर मायावती ने ट्वीट कर योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे, और प्रदेश में हुईं हाथरस, मथुरा जैसी घटनाओं पर भी आक्रोश व्यक्त किया था. भाजपा के इस ट्वीट को मायावती के बयान पर पलटवार के रूप में देखा जा रहा है.

वहीं एक दूसरे यूजर ने कहा की भूले तो नहीं. और हाल ही में हुई प्रयागराज की घटना और हाथरस वाली घटना की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि इन्हें शर्म नहीं आती, हाथरस ,प्रयागराज दिखाई नहीं देता है. इस तरह की प्रतिक्रियाएँ देते हुए यूजर्स यही कह रहे हैं कि हालिया कानून व्यवस्था तो देख नहीं रहें है बस पूर्व की सरकार पर हमला बोल रहें हैं.

एक अन्य यूजर ने लिखा, श्न बसपा सरकार का भूले और न बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा देकर आज यू पी में बेटियों को अनाथ करके अपना नारा सार्थक करने वालों को आवाम पीढ़ियों तक नहीं भूल पाएगा, गांव के गरीब परिवारों के शिक्षा मित्रों की बेटियों का क्या हाल है ये नारा देने वाली भाजपा व उसकी सरकारों को पता है.

–एजेंसी

-:: संक्षिप्त समाचार ::-

प्रधान मंत्री के फैसले को ष्झुक जानाष या ष्कमजोरीष के रूप में देखना सही नहीं है. लोकतंत्र में लोगों की इच्छा सुनने से बड़ा कुछ नहीं होता और ऐसा करने वाले नेता से बड़ा लोकतांत्रिक कोई हो नहीं सकता'– कैप्टन अमरिंदर

पीलीभीत– महिला डिग्री कॉलेज में प्रोफेसर पर सेक्स रैकेट चलाने का आरोप, 12 छात्राओं के साथ गलत हरकत करने का आरोप, शिकायत करने पर बदनाम करने की देता था धमकी, SP के आदेश पर छात्राओं के बयान और थ्ट दर्ज

उत्तर प्रदेश के जिला गोरखपुर में कुछ देर पहले घर में घुसकर महिला की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई. जबकि आज पूरी सरकार गोरखपुर में है. सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद है

गोरखपुर के बड़हलगंज में बेखौफ बदमाशों ने दिन दहाड़े घर में घुसकर थाईलैंड की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी,बड़हालगंज के सिधुआपार की रहने वाली पुष्पा देवी(37) के पति थाईलैंड बैंकाक में रहकर बिजनेस करते थे पुष्पा भी पति और बच्चों के साथ बैंकाक ही रहती थीं. साल 2017 में पुष्पा के पति की हार्टअटैक से मौत हो गई थी.

राहुल गांधी का ट्वीट देश का किसान समझ गया है कि मोदी सरकार ने उन्हें धोखा दिया है और अब वो पीछे नहीं हटने वाला क्योंकि वो जानता है कि अगर आज समझौता कर लिया तो उसका भविष्य नहीं बचेगा. किसान हिंदुस्तान है! हम सब किसान के साथ हैं, डटे रहिए.

मेरठ, मवाना में दुकान में भयंकर आग लगने से दुकान मालिक का 25 वर्षीय बेटा और 2 नौकर जिंदा जल गये,मोबिल ऑयल की दुकान और गोदाम में आग का लगना बताया जा रहा है, शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की जानकारी है, करीब 50 लाख का नुकसान होने की खबर है,

शिवपाल यादव का बड़ा बयान, कहा– समाजवादी पार्टी से विलय के लिए तैयार है उनकी पार्टी च्च्स्, एक हफ्ते में पार्टी के लोगों से राय लेकर करेंगे अंतिम फैसला, अपने समर्थकों के लिए 100 सीटें चाहते हैं शिवपाल यादव

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं. एक तरफ अखिलेश यादव की रथयात्रा प्रदेश भर में चल रही है तो वहीं गठबंधन के लिए भी लगातार बातचीत चल रही है. एक तरफ अखिलेश ने पूर्वी यूपी में सुलेहदेव भारतीय समाज पार्टी को साध लिया है तो वहीं पश्चिम यूपी में रालोद के साथ डील पक्की होने वाली है. सूत्रों के मुताबिक जयंत चौधरी की पार्टी रालोद को पश्चिम यूपी में 36 सीटें मिल सकती हैं. इसके अलावा दो से तीन सीटों पर रालोद के सिंबल पर सपा के नेता चुनावी समर में उतर सकते हैं. इस महीने के आखिर तक अखिलेश यादव और जयंत चौधरी यूपी में सीट शेयरिंग फॉर्म्यूले का ऐलान कर सकते हैं. सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय लोक दल ने शुरुआत में 62 सीटों की मांग की थी, लेकिन समाजवादी पार्ट.

सहारनपुर. सदर बाजार स्थित कोर्ट रोड पर युवा व्यापारी की हार्ट फेल होने से मौत हो गई . व्यापारी अमित कालरा अपनी दुकान पर ही खड़े थे अचानक वो लड़खड़ा कर जमीन पर गिर गए और वही उनकी मौत हो गई. ये पूरी घटना मार्किट मे लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. युवा व्यापारी की मौत से मार्केट और परिजनों में शोक की लहर.

किसानों के बाकी मसलों के हल निकले बिना हम घर नहीं जाएंगे: राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने सोमवार को कहा कि तीनों कृषि क़ानूनों को रद्द करने के साथ–साथ किसानों के कई मसले हल किए जाने की जरूरत है.

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वो इन क़ानूनों को रद्द करने के एलान के बाद अब किसानों के बाक़ी बचे मसले हल करने के लिए उनसे बात नहीं करना चाहती.

राकेश टिकैत लखनऊ के कांशीराम ईको पार्क में आयोजित किसान महापंचायत में बोल रहे थे, जहां बड़ी संख्या में किसान इकट्ठा हुए हैं. एमएसपी अधिकार महापंचायत नाम की इस रैली का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा ने किया है.

राकेश टिकैत ने एमएसपी अधिकार महापंचायत नाम के इस आयोजन में सरकार से मांग की है कि वो उन्हें साफ बताए कि क्या तीनों क़ानून सही अर्थों में रद्द हो चुके हैं. उन्होंने ये भी मांग की कि सरकार अन्य मसलों पर भी उनके संगठन से बात शुरू करे ताकि किसान अपने गांव जा सकें.

–एजेंसी

एयरटेल के 32 करोड़ ग्राहकों के लिए बुरी खबर

एयरटेल के 32 करोड़ ग्राहकों के लिए बुरी खबर, कंपनी ने प्रीपेड प्लांस के टैरिफ में 20–25 फीसदी का किया इजाफा

टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने सोमवार को अपने प्रीपेड प्लांस के टैरिफ में 20 से 25 फीसदी तक का इजाफा करने का एलान किया है.

इस बढ़ोतरी के दायरे में वॉइस प्लांस, अनलिमिटेड वॉइस बंडल प्लान और डेटा टॉप अप प्लान शामिल हैं. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें 26 नवंबर से प्रभावी हो जाएंगी.

वॉइस प्लान की शुरुआती दरों में 25 फीसदी का इजाफा किया गया है जबकि अनलिमिटेड वॉइस बंडल प्लान में 20 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है. सुनील मित्तल की कंपनी एयरटेल के पास इस समय 32 करोड़ 30 लाख उपभोक्ता हैं.

कंपनी ने डेटा टॉप अप प्लांस में भी 20 से 21 फीसदी तक की वृद्धि की है.

टैरिफ बढ़ोतरी का एलान करते हुए एयरटेल ने कहा है कि उनकी कंपनी का मानना है कि एआरपीयू (एवरेज रेवेन्यु पर यूजर) 200 रुपये होना चाहिए और आखिरकार इसे 300 रुपये के स्तर पर लाया जाना चाहिए ताकि लगाई गई पूंजी पर वाजिब रिटर्न मिल सके और कारोबार के लिहाज से एक बढ़िया बिजनेस मॉडल तैयार किया जा सके.

एयरटेल ने अपने बयान में कहा है कि इस कदम से भारत में 5जी लॉन्च करने में भी एयरटेल को सहूलियत होगी. इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कंपनी ने नवंबर के दौरान टैरिफ में संतुलन साधने की दिशा में कदम बढ़ाया है.

–एजेंसी

क्या कोरोना वायरस फिर सक्रीय हो रहा है?

पेरिस : फ्रांस में कोरोना वायरस का प्रकोप काफी बढ़ गया है. देश के प्रधानमंत्री जीन कैसटेक्स भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं. प्रधानमंत्री ने खुद को आइसोलेट कर लिया है और वे बंद कमरे से ही अपना काम जारी रखेंगे.इससे पहले प्रधानमंत्री की बेटी के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी. दरअसल प्रधानमंत्री बेल्जियम के दौरे से वापस आए हैं. बता दें कि देश में कोरोना संक्रमण के कारण हालात चिंताजनक हैं. 24 घंटों के भीतर ही सक्रिय मामलों में ऐसी बढ़त हुई है जो लोगों के मन में खौफ पैदा कर रहा है. देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि मात्र 24 घंटों में आइसीयू में इलाज के लिए भर्ती कोरोना संक्रमितों की संख्या 67 से 1409 हो गई. यह इजाफा 30 सितंबर के बाद देखने को मिला है.

फ्रांसीसी कैरेबियाई द्वीप ग्वाडेलूप में कोविड–19 प्रोटोकाल के पालन व टीकाकरण को लेकर हुए दंगों के बाद सोमवार को स्कूल बंद कर दिए गए. फ्रांस सरकार ने कानून–व्यवस्था बरकरार रखने के लिए विशेष पुलिस बल को निर्देश दे दिए. फ्रांस द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों के लिए कोविड टीकाकरण अनिवार्य करने और रेस्तरां व अन्य जगहों में प्रवेश के लिए हेल्थ पास की अनिवार्यता से नाराज लोग सड़कों पर उतर आए हैं. रायटर के अनुसार, दंगों में संलिप्त कम से कम 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

अफ्रीका में कोविड–19 के कुल मामले 8,582,983 हैं. अफ्रीका सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (।तिपबं ब्क्ब) ने कहा कि यहां अब तक कुल 221,721 संक्रमितों की मौत हो चुकी है. दक्षिण अफ्रीका, मोरक्को, ट्यूनिशिया और इथियोपिया में संक्रमण के मामले अधिक हैं.

2019 के अंत में चीन से निकले कोरोना वायरस से अब तक पूरी दुनिया में 257,520,965 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 5,150,520 संक्रमितों की मौत हो चुकी है. हालांकि इससे बचाव के लिए दुनिया भर में टीकाकरण जारी है और अब तक कुल 7,392,037,014 को वैक्सीन लगाई जा चुकी है. महामारी की शुरुआत से अब तक सबसे खराब हालत अमेरिका का है जहां अब तक कुल 47,730,591 कोरोना के चपेट में आ चुके हैं और 771,118 की मौत हो चुकी है.

2025 तक पांच मेट्रो कॉरिडोर हो जाएंगे ड्राइवरलेस

दिल्ली मेट्रो के पिंक लाइन कॉरिडोर पर आज से मेट्रो बगैर चालक दौड़ने लगेगी. सुबह 11.30 बजे केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिल्ली के परिवहन मंत्री अनअटेंड ट्रेन ऑपरेशन (यूटीओ) यानी ड्राइवरलेस मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे.इसके बाद मजलिस पार्क–शिव विहार के बीच ड्राइवरलेस मेट्रो में यात्रियों को सफर का मौका मिल सकेगा.

पिंक लाइन कॉरिडोर के 58.43 किलोमीटर में 38 स्टेशनों से चालक रहित मेट्रो में सफर का मौका मिल जाएगा. मजेंटा लाइन के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की ओर से पिंक लाइन कॉरिडोर को ड्राइवरलेस करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई.11 महीने बाद सभी तकनीकी बदलाव के बाद पिंक लाइन पर मेट्रो को पूर्ण तौर पर स्वचालित कर दिया गया.

मेट्रो की पिंक लाइन के शेष हिस्से पर मयूर विहार–पॉकेट वन–त्रिलोकपुरी संजय लेक के बीच मेट्रो की सुविधा न होने से इस लाइन को ड्राइवरलेस करने में देरी हुई.

दिल्ली मेट्रो के पिंक लाइन के ड्राइवरलेस होने से यात्रियों को रिंग रोड के नजदीकी स्टेशनों से स्चालित मेट्रो में सफर का मौका मिलने लगेगा. इस लाइन पर ड्राइवरलेस मेट्रो सेवा की शुरुआत वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये की जाएगी.

पिंक लाइन की कुल लंबाई लाइन 58. 43 किलोमीटर के दायरे में 38 स्टेशन हैं. इनमें 26 एलिवेटेड जबकि 12 भूमिगत स्टेशन हैं.मार्च 2018 से अगस्त 2021 के दौरान पांच चरणों में पिंक लाइन कॉरिडोर पर टुकड़ों में अलग अलग सेक्शन पर मेट्रो सेवाएं शुरू हुई. दिल्ली मेट्रो के सबसे लंबे कॉरिडोर के पूरा होने के तीन महीने बाद

ही इसे दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने ड्राइवरलेस कर, एक नई कामयाबी हासिल कर ली है. मजेंटा लाइन पर मेट्रो सेवाएं जब ड्राइवरलेस हुई थी तो पहले दिन यात्रियों को जब इसकी जानकारी मिली तो कुछ यात्री बीच के स्टेशनों पर ही उतर गए और दूसरे परिवहन साधनों को अपनाया.

पिंक लाइन के शेष हिस्से को भी अगस्त, 2021 में यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाओं की शुरुआत कर दी गई. इससे पहले मजलिस पार्क से मयूर विहार पॉकेट–वन और शिव विहार से त्रिलोकपुरी संजय झील के बीच मेट्रो सेवाएं अलग अलग छोर पर मिल रही थी.

मेट्रो के ड्राइवरलेस होने से फ्रिक्वेंसी बढ़ जाएगी. 90 सेंकेंड के अंतराल पर मेट्रो की सुविधा यात्रियों को उपलब्ध होगी.

2025 तक पांच मेट्रो कॉरिडोर हो जाएंगे ड्राइवरलेस दिल्ली मेट्रो फेज–4 के तीनों कॉरिडोर पर भी मेट्रो ड्राइवरलेस होगी. मजेंटा के बाद पिंक लाइन कॉरिडोर को ड्राइवरलेस किया जा रहा है. फेज–4 के तीनों कॉरिडोर के जुड़ने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन(डीएमआरसी)का ड्राइवरलेस नेटवर्क करीब 160 किलोमीटर का हो जाएगा. इस फेज के तहत सबसे पहले मौजपुर–मजलिस पार्क के बीच(12. 555)किलोमीटर में मेट्रो निर्माण का कार्य दो साल में पूरा किए जाने की उम्मीद है. इसके बाद देश का पहला रिंग मेट्रो कॉरिडोर भी तैयार हो जाएगा. पिंक लाइन के करीब 96 किलोमीटर के साथ फेज–4 के तीन कॉरिडोर (करीब 65 कि.मी) के जुड़ने पर दिल्ली मेट्रो का नाम ड्राइवरलेस मेट्रो के लिहाज से अग्रणी देशों में शुमार होगा.

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के दो कॉरिडोर को ड्राइवरलेस करने के लिए कम्यूनिकेशन बेस्ट ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) तकनीक को अपनाया गया. मजेंटा और पिंक लाइन मेट्रो को इस तकनीक से जोड़ने के बाद फेज–4 के तीनों कॉरिडोर पर इसी तकनीक को लागू किया जाएगा. इस तकनीक से मेट्रो परिचालन की निगरानी के लिए मेट्रो के आगे कैमरे लगे होंगे. कैमरे लगे होने से ट्रैक पर किसी तरह की बाधा की सूचना ऑपरेशन एंड कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) को मिल जाएगी. ट्रेनों के परिचालन की पल पल इसी सेंटर से निगरानी की जाएगी ताकि किसी तरह की बाधा या रुकावट की जानकारी तत्काल मिल सके.

दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक मौजपुर–मजलिस पार्क पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. 12.558 किलोमीटर के इस कॉरिडोर पर आठ स्टेशन होंगे. इसी दायरे में सिग्नेचर ब्रिज के उपर एक ब्रिज का भी निर्माण किया जा रहा है और 2023 तक इस कॉरिडोर पर मेट्रो सेवाएं शुरू होने की उम्मीद है.

मौजपुर–मजलिस पार्क के बीच मेट्रो के विस्तार के बाद पिंक लाइन का रिंग कॉरिडोर करीब 70 किलोमीटर लंबा हो जाएगा. इस कॉरिडोर पर आठ स्टेशन होंगे. इसपर मेट्रो सेवाएं शुरू होने से गाजियाबाद, लोनी, मेरठ, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा सहित एनसीआर के कई शहरों के मेट्रो यात्रियों को राहत मिलेगी. इस कॉरिडोर के आठ स्टेशन भजनपुरा, यमुना विहार, खजूरी खास, सुरघाट, सोनिया विहार, जगतपुर गांव, झड़ौदा माजरा और बुराड़ी हैं. फेज–4 के तीनों कॉरिडोर में यह सबसे छोटा हैं, इसलिए सबसे पहले इसपर मेट्रो सेवाएं शुरू की जाएंगी.

नेताजी सुभाष प्लेस, वेलकम, आईएनए, आजादपुर सहित राजौरी गार्डन, मयूर विहार, फेज–1, आनंद विहार और कड़कड़डूमा, पंजाबी बाग वेस्ट, वजीराबाद, सुरघाट और लाजपत नगर, दुर्गाबाई देशमुख (साउथ कैंपस), मजलिस पार्क सहित आठ लाइनों के स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा होगी. धौला कुआं से साउथ कैंपस को जोड़ने वाले फुटओवर ब्रिज से पिंक लाइन के यात्रियों को सीधे एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर सफर और भी आसान हो जाएगा.

–एजेंसी

-:: संक्षिप्त समाचार ::-

अमेरिका में भीड़ को एसयूवी ने रौंदा, पांच की मौत, ४० घायल

अमेरिकी पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि विस्कॉन्सिन राज्य में एक तेज रफ्तार कार के भीड़ में घुसने से कम से कम पांच लोगों की मौत और 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए.

लाल रंग की एक एसयूवी विस्कॉन्सिन के वौकेशा शहर में चल रही है क्रिसमस परेड को रौंदती हुई आगे बढ़ गई.

परेड में स्कूल बैंड और डांस ट्रूप शामिल थे. कार की चपेट में आने वाले लोगों में बच्चे भी शामिल थे. घटना के बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है.

पुलिस का कहना है कि ये घटन फिलहाल चरमपंथी घटना जैसी नहीं लग रही है.

शहर के पुलिस प्रमुख डैन थॉम्पसन ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने संदिग्ध वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है.

मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने दी गिरफ्तारी से राहत

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुबंई के पुलिस पुलिस कमिश्नर परम बीर सिंह को छह मामलों में गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा देने का आदेश दिया है.

ये मामले महाराष्ट्र में उनके ख़िलाफ दर्ज किए गए हैं. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के डीजीपी और सीबीआई को उनकी याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है.

परम बीर सिंह ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ 100 करोड़ रुपये की अवैध उगाही करने का आरोप लगाया था.

उनका ये आरोप है कि उन्हें आपराधिक मामलों में फंसाया जा रहा है. गिरफ्तारी से बचाव के अलावा परम बीर सिंह ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की भी मांग की है.

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने परम बीर सिंह को जांच के लिए उपलब्ध होने का आदेश भी दिया है और कहा है कि इस बीच उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा.

सौतेली मां ने की आठ साल के बच्चे की हत्या

की हत्या कर शव कुंए में फेंक दिया. इसके बाद आरोपी महिला इस तरह से व्यवहार कर रही थी जैसे कि उसे इस मामले की कोई जानकारी ही न हो.थाना क्षेत्र के ग्राम विनेकाटोरन निवासी गजेंद्र राजपूत शनिवार सुबह अपने खेत में पानी लगाने के लिए गया था. वापस आने पर उसकी पहली पत्नी का आठ वर्षीय पुत्र शिवम घर में नहीं मिला. गजेंद्र ने सोचा कि बेटा गांव में कहीं खेलने चला गया होगा. लेकिन वह दोपहर तक नहीं लौटा तो सभी ने उसकी काफी खोजबीन की. गजेंद्र ने अपनी पत्नी(बच्चे की सौतेली मां) से पूछा कि बेटा कहां है. लेकिन उसने कोई जानकारी नहीं दी. इसके बाद उसे शक हुआ फिर गांव वालों को लेकर खोजबीन की.

परिजनों का शक घर के पीछे बने कुंए पर गया. कुंए का पानी निकाला गया तो शिवम का शव पड़ा मिला. जिसकी सूचना परिजनों ने थाना पुलिस को दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

क्यूं मणिशंकर अभी भी देश को गुलाम समझते हैं?

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा, श्शपिछले 7 साल में हम देख रहे हैं कि गुटनिरपेक्षता की तो बात ही नहीं होती है. शांति की बात ही नहीं होती है. अमेरिकियों के गुलाम बनकर बैठे हैं और कहते हैं कि....वो कहते हैं कि चीन से बचो. हम कहें कि चीन के सबसे करीब के दोस्त तो आप ही हो.श्श मणिशंकर अय्यर बतौर मुख्य अतिथि जिस सेमिनार में ये सब बोल रहे थे, वो भारत और रूस के रिश्तों को लेकर आयोजित हुआ था. वो जो कुछ कह रहे थे, उसका लब्बोलुआब ये था कि भारत और रूस के रिश्ते बरसों पुराने हैं, लेकिन जब से मोदी सरकार आई है, ये रिश्ता कमजोर हुआ है. मणिशंकर अय्यर ने कहा कि 2014 तक रूस के साथ हमारे जो संबंध हुआ करते थे, वो काफी कम हो चुके हैं. उसमें काफी चोट लगी है.

इससे पहले मणिशंकर अय्यर ने मध्यकालीन इतिहास को लेकर अपनी ज्ञान की गंगा बहाई थी. उन्होंने कहा, अकबर ने 50 साल तक देश पर राज किया. इसी को मद्देनजर रखते हुए जहां मैं रहता था, उस सड़क का नाम अकबर रोड था. हमें कोई एतराज नहीं था. हमने कभी नहीं कहा कि महाराणा प्रताप रोड बना दीजिए, क्योंकि हम अकबर को अपना समझते हैं उसे गैर नहीं समझते.

कंगना रनौत ने 1947 में मिली आजादी को भीख बताते हुए कहा था कि देश को आजादी 2014 में मिली है. तो वहीं कांग्रेस के मणिशंकर अभी भी देश को गुलाम समझते हैं. कंगना ने अपने बयान से कहीं ना कहीं बीजेपी की मुश्किल बढ़ाई और अब कांग्रेस के लिए वही काम मणिशंकर कर रहे हैं. मणिशंकर अय्यर अक्सर तभी सक्रिय होते हैं, जब देश में कहीं कोई अहम चुनाव होता है और विवादों से तो खैर इनका चोली–दामन का नाता है. देश में 5 राज्यों में चुनाव करीब हैं.

मणिशंकर अय्यर अक्सर तभी सक्रिय होते हैं, जब देश में कहीं कोई अहम चुनाव होता है और विवादों से तो खैर इनका चोली–दामन का नाता है. देश में 5 राज्यों में चुनाव करीब हैं.बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने देश की आजादी को लेकर विवादित बयान दे दिया है. मणिशंकर अय्यर ने कल राजधानी दिल्ली के एक सेमिनार में कह दिया कि साल 2014 के बाद से हम अमेरिका के गुलाम हैं. मणिशंकर अय्यर ने कहा कि पिछले सात साल से हम देख रहे हैं कि हम अमेरिकियों के गुलाम बनकर बैठे हैं.

–एजेंसी

शराब पीने से मना करने पर चार युवकों ने दिल्ली पुलिस के एएसआई की पिटाई

पश्चिम विहार वेस्ट इलाके में सरेराह शराब पीने से मना करने पर चार युवकों ने दिल्ली पुलिस के एएसआई की पिटाई कर दी. लोगों ने पुलिसकर्मी को पीटता देख बीच बचाव किया और चारों आरोपी को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया.पुलिस आरोपियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और मारपीट का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

पालम इलाके में रहने वाले राजपाल सिंह दिल्ली पुलिस में बतौर एएसआई कार्यरत हैं. उनकी तैनाती पश्चिम विहार वेस्ट थाने में है. शनिवार रात वह इलाके में गश्त कर थे.

इसी दौरान उन्होंने पीरागढी मेट्रो स्टेशन के पास एक कार की डिग्गी पर शराब की बोतल और ग्लास रखकर चार युवकों को शराब पीते देखा. राजपाल वहां पहुंचकर युवकों को समझाने की कोशिश की और खुलेआम शराब पीने से मना किया. इतना सुनते ही चारों युवक एएसआई से गाली गलौज करने लगे और वर्दी उतरवाने की धमकी देने लगे. एएसआई ने दोबारा उन्हें ऐसा करने से मना किया. गुस्साए युवकों ने एएसआई के साथ मारपीट शुरू कर दी. एक युवक मोबाइल से मारपीट का वीडियो बनाने लगा.

आस पास के लोगों ने पुलिसकर्मी को पीटते देख बीच बचाव किया और हमला करने वाले चारों युवकों को दबोच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी.

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों आरोपियों को दबोच लिया. पुलिस ने एएसआई को मेडिकल के लिए पास के अस्पताल में ले गई. जहां दर्द की वजह से वह बयान देने की स्थिति में नहीं थे. अगले दिन एएसआई के बयान पर मामला दर्ज कर पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव किशनपुर, बुलंदशहर, यूपी निवासी अमित राघव, विजय, राहुल और भलस्वा डेयरी निवासी फकरुद्दीन के रूप में हुई है.

–एजेंसी

तीन कृषि कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के सदस्य अनिल घनवत का बयान

नई दिल्लीः तीन कृषि कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के सदस्य अनिल घनवत ने कहा कि अगर एमएसपी पर कानून बनता है तो भारत को संकट का सामना करना पड़ेगा.घनवत ने कहा, ष्सरकार और किसान नेताओं को कोई और रास्ता सोचना चाहिए. एमएसपी कोई समाधान नहीं है. इससे न केवल किसानों, बल्कि व्यापारियों और स्टॉकिस्टों को भी नुकसान होगा.ष

पीएम मोदी द्वारा 19 नवंबर को तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा के बाद केंद्र से कृषि खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून की मांग के मद्देनजर एससी समिति के सदस्य अनिल घनवत की टिप्पणी आई है.

किसान कह रहे हैं कि जब तक एमएसपी पर कानून नहीं बन जाता और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए बातचीत शुरू नहीं हो जाती, वे अपना आंदोलन खत्म नहीं करेंगे.

इस बीच, तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने एक बैठक की और कहा कि वे मार्च में सौंपी गई रिपोर्ट के भाग्य की घोषणा करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे.

सुबह दिल्ली पहुंचे महाराष्ट्र के शेतकारी संगठन के नेता अनिल घनवत ने पैनल के एक अन्य सदस्य कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी के साथ बैठक की.

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल जनवरी में तीन कृषि कानूनों के रहते हुए तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की थी (घनवत और गुलाटी के अलावा तीसरे सदस्य पी. के. जोशी). समिति ने व्यापक बहु–हितधारक परामर्श के बाद मार्च में रिपोर्ट प्रस्तुत की थी.

हालांकि, उसके बाद से न तो शीर्ष अदालत ने अपनी किसी सिफारिश का इस्तेमाल किया और न ही रिपोर्ट को सार्वजनिक किया.

घनवत ने सितंबर में, भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश को रिपोर्ट जारी करने के लिए लिखा था ताकि सरकार द्वारा इसकी सिफारिशों का उपयोग किसानों के आंदोलन को हल करने के लिए किया जा सके, जोकि कुछ स्थानों पर हिंसा के साथ–साथ हिंसा में भी व्यापक हो गए थे. सरकार ने किसानों के साथ कई दौर की बातचीत की, लेकिन कोई हल नहीं हुआ.

अंततः शुक्रवार को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी शीतकालीन सत्र में तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा की, तो घनवत ने इस फैसले को ष्दुर्भाग्यपूर्णष करार दिया था. व्यापक परामर्श के लिए प्रधानमंत्री द्वारा घोषित समिति की प्रतीक्षा करने के लिए गुलाटी की एक संरक्षित प्रतिक्रिया थी.

अरोड़ा केंद्र, राज्य सरकारों, किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि अर्थशास्त्रियों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने की मोदी की घोषणा का जिक्र कर रहे थे, जो इस बात पर चर्चा करेगी कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है, कैसे शून्य बजट खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है और कैसे फसलों के पैटर्न को वैज्ञानिक तरीके से बदला जा सकता है.

SUBSCRIPTION FORM
TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....
Address :.....
.....
.....
Email:.....
Contact Phone No.....
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐ /5 yrs ☐ subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

Ending Someone's thirst is the Biggest Deed of Humanity

ADVERTISEMENT TARIFF
TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

THE OUTWARD KNOWLEDGE OF MEHBOOB-E-ILAHI

Hazrat Khawaja Nizamuddin Awliya (Qaddas Allahu Sirrahu) was a spiritual master (shaykh) of the highest degree in both the outward and inward Islamic sciences. He was a known scholar when Delhi was one of the greatest centers of learning in the eastern world of Islam.

He had memorized Mashariq-ul-Anwar (a book of Hadith) and it was said that he had memorized 2,000 Hadith (Traditions of the Holy Prophet ﷺ). The great Naqshbandi wali (saint) of Delhi, Hazrat Shah Ghulam Ali (Qaddas Allahu Sirrahu) used to say that there was no comparison to the scholarship of Hazrat Nizamuddin Awliya (Qaddas Allahu Sirrahu) in the area of Hadith.

However, he was against learning just for material gain as he said "The ulama (outward scholars) aspire to nothing higher, but the darwesh (dervish) has many stages of development." He repeatedly said that a person should be an 'alim (scholar) with the qualities of a darwesh (dervish) in him.

The shaykh was a great lover of books. He spent some hours at night in quiet study, took notes and wrote comments in books. He later left his library for his students. He also made special arrangements for the memorization of the Holy Qur'an by an expert hafiz for his nephews and the grandchildren of Hazrat Baba

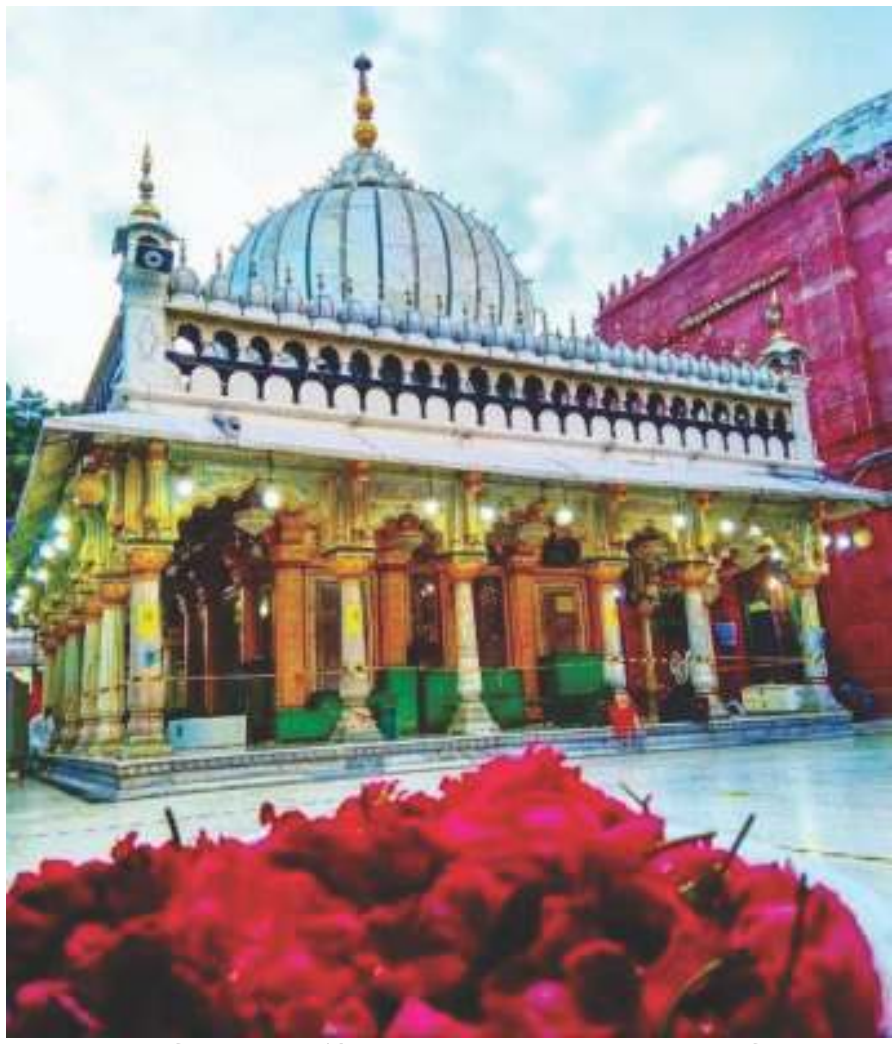

Fariduddin Ganjshakr (Qaddas Allahu Sirrahu).

He was particularly interested in the Holy Qur'an. He memorized the entire Qur'an at the advice of his Murshid (spiritual guide) Hazrat Baba Fariduddin Ganjshakr (Qaddas Allahu Sirrahu). It was his daily practice to read one juz (chapter) of the Qur'an, but with understanding and reflection. He advised his mureeds (disciples) to read the Qur'an in such a way that the majesty of Allah Subhanahu wa Ta'ala would put light into their hearts.

He said that reciting the Holy Qur'an was more effective at achieving marifat (gnosis) than zikr (divine remembrance). He said that zikr made spiritual progress quicker but there was always the risk of later loss in progress. But the progress from the recitation of the Qur'an was free from such risk of later decline.

He said that the Qur'an contained four kinds of instructions. The first was prayer and litanies (wazifas) for the common believers. The second was signs (isharas) for the special categories of believers. The third was spiritual perception and sensation of divine grace (lata'if) for the awliya (holy saints). The fourth was true maxims (haqa'iq) for the Prophet ﷺ.

Dua:

Ya Mere Allah Jumla Ambiya ke wasthey, Hajathe Barla Meri Kul Awliya ke wasthey

Silsila – E – Aliya Khushhaliya !!

(Ref: The Life and Times of Shaikh Nizamuddin Auliya by Khaliq Ahmad Nizami, pages 152-158)

© Copyright 2021 under Silsila E Aliya Khushhaliya. All rights reserved. Please refer to Silsila E Aliya Khushhaliya when sharing it. Thank you.

The economics of climate change-Rethink, Reframe, Rebound

By Dr. Sreejita Mukherjee, International Faculty of Economics.

Climate crisis is the new buzzword these days engulfing our beautiful planet by wrapping and trapping the earth's surface with green house effect, thereby intensifying global warming posing serious adverse consequences. The causes are natural and predominantly man made which seem to have disastrous consequences on the global economy in the near future. The adverse impact of climate breakdown on the economy due to the ripple effects and spillover effects are beyond imagination. The poor countries are expected to be a lot hard hit by climate shocks due to extreme poverty, intensified income inequality, financial damage, huge debt and market failure which in turn will have cascading effect on amplifying global economic instability affecting their GDP adversely resulting in frequent conflicts and chaos amongst

countries. Economists have suggested strategies of sequential decision making out of uncertainties triggering long term risks to combat the crisis as the benefits clearly outweighs the costs. Solutions have been framed and reframed keeping in mind the cost of living, wages, capital assets and most importantly investments as they indicate the well being of the society. According to environmentalists we need to be proactive instead of being reactive towards ecosystem and encourage investments in renewable energy ,switch to sustainable transport, conserve and restore land etc. Besides, simple daily actions of energy saving, increasing plant based diet, building resilience can add significantly to achieve biodiversity goals.

The question which crops up now is that if we have already figured out the solutions then why are we facing the wide range of controversies lacking objectivity to stop exponentially increasing global temperature? The answer is simple! Unless and until we become vulnerable at individual level,we are irresponsibly insensitive towards solving this critical issue and reluctant to remove the bottlenecks at micro level. Why do we have to wait for our turn of facing accelerated challenge in order to take necessary action to steer the global economy better? It's time to rethink!

-ITN

"The best time to plant a tree was 20 years ago. The second best time is now." *– Chinese Proverb*

सऊदी अरब ने अपने कानूनों में किए बदलाव

सऊदी अरबः दुनिया में सऊदी अरब के कानून को बड़ा सख्त माना जाता है लेकिन अब यहां इतिहास का सबसे बड़ा कानूनी सुधार हुआ है.सऊदी अरब ने अपने कानून में बदलाव किए हैं ताकि कानूनी सिस्टम को और विकसित किया जा सके. यूएई के प्रेसिडेंट शेख खलीफा बिन जायेद अल नहयान ने इन कानूनी सुधारों को मंजूरी दे दी है, जिससे आर्थिक और व्यावसायिक अवसरों में मजबूती, सामाजिक स्थिरता में बढ़ोतरी आएगी और व्यक्तिगत व संस्थागत अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सकेगा. ये नए कानून 2 जनवरी 2022 से लागू हो जाएंगे.

इन कानूनी सुधारों में सबसे अहम प्रावधान यह है कि यह कानून किसी भी व्यक्ति पर लागू होगा जो सऊदी अरब के किसी नागरिक की पूर्वनियोजित हत्या करता है या इसमें शामिल होता है. चाहे अपराध देश के बाहर ही क्यों न हुआ हो. इसके अलावा इन कानूनों के जरिए ऑनलाइन अपराधों पर लगाम लगाई जाएगी. इसका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर गलत खबरें, अफवाहों को रोकना और व्यक्तिगत निजता व अधिकारों को संरक्षण दिया जाएगा.

इन कानूनी सुधारों में फेक न्यूज और गलत खबरों को लेकर विभिन्न प्रावधान शामिल हैं. इसके तहत कानून कोर्ट को डिवाइस, सॉफ्टवेयर और कंटेंट को जब्त करने की शक्ति देता है. इसमें ऑनलाइनगलत और भ्रामक विज्ञापन व प्रमोशन के बारे में कार्रवाई का अधिकार है. इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग और मेडिकल प्रॉडक्ट्स व सप्लीमेंट से संबंधित कानून भी शामिल हैं. नए कानूनों में सार्वजनिक स्थानों या अनाधिकृत स्थानों पर एल्कोहल का सेवन गैरकानूनी माना जाएगा. साथ ही 21 वर्ष से कम आयु वाले लोगों के द्वारा शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

सऊदी अरब में स्थानीय और प्रांतीय स्तरों पर चर्चा के बाद इन नए कानून को लाया गया है. इन कानूनों को तैयार करने के लिए पिछले 5 महीनों में 50 प्रांतीय और लोकल अथॉरिटी में कामकरने वाले 540 विशेषज्ञों और विद्वानों की राय ली गई है.

सऊदी अरबरू दुनिया में सऊदी अरब के कानून को बड़ा सख्त माना जाता है लेकिन अब यहां इतिहास का सबसे बड़ा कानूनी सुधार हुआ है. सऊदी अरब ने अपने कानून में बदलाव किए हैं ताकि कानूनी सिस्टम को और विकसित किया जा सके. यूएई के प्रेसिडेंट शेख खलीफा बिन जायेद अल नहयान ने इन कानूनी सुधारों को मंजूरी दे दी है, जिससे आर्थिक और व्यावसायिक अवसरों में मजबूती, सामाजिक स्थिरता में बढ़ोतरी आएगी और व्यक्तिगत व संस्थागत अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सकेगा. ये नए कानून 2 जनवरी 2022 से लागू हो जाएंगे.

कोरोना के नए ओमाईक्रोन वैरिएंट पूरी दुनिया में मची उथल-पुथल

नई दिल्ली. कोरोना के नए ओमाईक्रोन वैरिएंट ने दुनिया को एक बार फिर से डरा दिया है. इस वैरिएंट की शुरुआत जहां से हुई है वहां से एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है.बताया जा रहा है कि दक्षिण अफ्रीका में इस स्टेन के पाए जाने के बाद पिछले दो महीने से नए मरीजों और मौतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है. इधर ॅभ्व का दावा है कि ये वैरिएंट डेल्टा के मुकाबले 7 गुना तेजी से फैलने वाला है. इधर इस वैरिएंट का इकोनॉमी पर असर पड़ने की संभावना के साथ ही शेयर मार्केट भी नीचे गिर रहा है.

इधर भारत सरकार ने राज्यों को सख्ती बरतने के साथ ही कोरोना टेस्ट बढ़ाने के निर्देश दिए हैं. बताया जा रहा है कि इस वैरिएंट के बाद भारत भी श्ऐट रिस्क कंट्रीजश में शामिल है. राज्यों को केंद्र की तरफ से कहा गया है कि इंटरनेशनल फ्लाइट्स से आने वाले यात्रियों का डाटा जुटाया जाए.

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सख्ती से क्वारैंटाइन और आइसोलेशन लागू करने के साथ ही तत्काल त्ज्–च्ब्ब् टेस्टिंग बढ़ाने और एक्टिव सर्विलांस शुरू कराने का आदेश दिया गया है. इसके साथ ही टेस्टिंग के इन्फ्रास्ट्रक्चर को पर्याप्त रखने के साथ ही हॉट स्पॉट की प्रॉपर मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया है. केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि पॉजिटिविटी रेट को 5 फीसदी से नीचे रखने का टारगेट रखा जाए. स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखने के लिए भी केंद्र ने राज्यों को कहा है.

यूरोपियन यूनियन ने आनन–फानन में अफ्रीका की उड़ानों पर रोक लगा दी, जिससे इस वैरिएंट को लेकर दहशत फैल गई. इधर अफ्रीकन मेडिकल एसोसिएशन का कहना है कि अफ्रीका में ओमिक्रॉन वैरिएंट दो महीने से मौजूद है. तब से अब तक यह 45 बार अपना रूप बदल चुका है. बावजूद इसके मौतों में कमी आई है. विश्व की 17ः आबादी वाले अफ्रीका में रोज सिर्फ 4,200 मरीज मिल रहे हैं, जो यूरोप की तुलना में 86 गुना कम हैं. अफ्रीका में रोज होने वाली मौतें भी 150 से कम हैं. यूरोप की बात करें तो वहां मौतों की संख्या 26 गुना ज्यादा है.

–एजेंसी

अमित शाह सहारनपुर के बेहट विधानसभा क्षेत्र में मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगें

लखनऊः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 दिसंबर को सहारनपुर के बेहट विधानसभा क्षेत्र में मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय की आधारशिला रखेंगे. शाह की यात्रा को उत्तर प्रदेश में किसानों को लुभाने के लिए भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, जो ज्यादातर राज्य के पश्चिम क्षेत्र के जाट समुदाय और दलितों से हैं. इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने विश्वविद्यालय का नाम मां शाकुंभरी देवी के नाम पर रखने की घोषणा की थी.

सहारनपुर के पूर्व सांसद राघव लखन पाल ने कहा कि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग लंबे समय से लंबित थी और यह युवाओं की जरूरतों को पूरा करेगी. पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र की कुल 80 सीटों में से 60 भाजपा के पास हैं. भगवा पार्टी के सामने कम से कम यथास्थिति बनाए रखने की चुनौती है.

जनता यह जानती है जो काम सरकारें पूरे पांच साल में नहीं करती वह इनके कार्यकाल के आखरी दो महीनों में हो जाते हैं आखिर ऐसा क्यूं है शायद इसका जवाब सब जानते हैं. –एजेंसी

कृषि बिल वापसी के साथ क्या देश भी वापसी की तरफ?

कृषि बिल वापसी के ऐलान साथ अब यह चर्चा भी शुरू हो गयी है कि क्या अब, नोटबंदी, नागरिकता संशोधन कानून, एनआरसी, 370 और तीन तलाक जैसे कानून भी वापस होंगे? अब यह सवाल तो जाइज है की जिन कानूनों से देश की आम जनता का कोई भला न हो किसी खास वर्ग को खुश करने केलिए बनाये गए हों तो ऐसे कानूनों का क्या औचित्य है. पिछले 7 साल की सत्ता में जनता के लिए कुछ अद्भुत कानून बने, जिनका विरोध खुद जनता ने किया जैसे तीन तलाक कानून मुस्लिम महिलाओं के हित के लिए बताया गया, लेकिन लाखों मुस्लिम महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया.किसानो के हित का नाम देकर 3 कृषि कानून बनाये गए देश के लाखों किसानों ने इसका विरोध किया,धारा 370 कश्मीर के विकास के लिए हटाया गया था? जब और जहाँ मौका मिला इसका जमकर कश्मीरियों ने विरोध किया.अगर वहां इमरजेंसी न लगाई गयी होती तो और बड़े पैमाने पर इसका विरोध होता.

फिलहाल देश में विकास उल्टा चल रहा है,कब गिर जाए नहीं पता. जैसे हम आपको बताते हैं देश में पहले सरकारी स्तर पर भुकमरी,कुपोषण की समस्या का समाधान होना था, फिर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा बेहतर होनी चाहिए थीऋफिर उसके बाद देश को 6 लेन और 12 लेन एक्सप्रेस वे, खूसूरत एयर पोर्ट और हवा में उड़ने वाली करें चाहियें, यानि विकास की राह देश की आम जनता के लिए नहीं बल्कि देश की 10 प्रतिशत अमीर लोगों की सुविधा के लिए किया जा रहा है, बड़े बड़े मॉल्स, 5 स्टार अस्पताल वगैरा देश की आम जनता

के लिए तो नहीं हैं न?

देश में नफरत से मोहब्बत की तरफ, डर से निडरता की तरफ, बेकरारी से करार की तरफ, बदअमनी और बेचौनी से अम्न और शान्ति की तरफ वापसी कब होगी? लेकिन यह भी सच है कि देश में नफरत, भेदभाव, ना इंसाफी और पक्षपात हर एक सर्कार के दौर में ही रहा है. किन्तु इसका व्यापक असर 2014 के बाद दिखाई दिया.कांग्रेस के 56 साल राज में भी जुल्म और ना इंसाफी की दास्तान अखबारों के पन्नो और विश्लेषकों के सीनों में मेहफूज हैं, जिसका भुक्तान कांग्रेस को सत्ता से बाहर रहकर करना पड़ा है.खुद उनके गृहमंत्री को जेल में कई महीने गुजारकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी है.लेकिन आजकी ब्वदहतमे अपने माजी से सबक लेगी ऐसा हमारा मानना है. अंधभक्त कंगना के पहले मोदी सरकार के पक्ष में और फिर सरकार के विरोध में रुझान और नजरिया,अंधभक्तों के लिए कई सवाल छोड़ गया है.

देश में पुरस्कार वापसी का दौर भी खूब चला,जिसकी कड़ी में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने पद्मविभूषण पुरस्कार वापस कर दिया. मशहूर कवि सुरजीत पातर ने अपना पद्म श्री पुरस्कार वापस कर दिया था । इसके बाद खेल और सिनेमाँ जगत की कई हस्तियां पुरस्कार वापसी की इस कड़ी में शामिल हो गईं. खिलाड़ी जो अवार्ड वापस कर रहे हैं उनमें द्रोणाचार्य अवॉर्डए, अर्जुन अवॉर्डए, मेजर ध्यानचंद अवॉर्ड शामिल हैं. अब इस वापसी के दौर को देश की जनता सियासी दर्पण में देखने लगी है, और इस बात का इमकान जताया जाने लगा है की अब सत्ता की वापसी का दौर भी आगया है.

लोकतंत्र की यही खूबी होती है की जनविरोधी योजनाओं और नीतियों के विरुद्ध जनता जब चाहे सत्ता को बदल दे लेकिन देश में लोकतंत्र प्रणाली को भी बदलने में एक वर्ग की रूचि है, जिसकी बुनियाद ईवीएम को माना जाता है द्यकिसान आंदोलन के दौरान सत्ता में शामिल कई नेताओं के सुर पहले ही सरकार के खिलाफ उभर चुके थे और कई पार्टी छोड़ भी गए, जिनमें कई मुख्य नाम इस तरह हैं, बीजेपी सांसद और दलित नेता सावित्री बाई फुले,महाराष्ट्र के नाना पटोले,राजस्थान के हरीश मीणा,लद्दाख के थुपस्तान छवांग, नवजोत सिंह सिद्धू, शत्रुघ्न सिन्हा, यशवंत सिन्हा, अरुण शोरी, कीर्ति आजाद, बाबुल सुप्रियो जैसे कई और नाम प्रमुख हैं.

कई सियासी घटकों ने एनडीए से नाता तोड़ लिया जिससे बीजेपी का ताना बाना कमजोर होगया. खुद बीजेपी को अंदरूनी मुखालफत का सामना करना पड़ रहा है द्यकुल मिलाकर किसान आंदोलन ने देश की लोकतान्त्रिक व् संवैधानिक मर्यादाओं और इसकी जड़ों को मजबूती प्रदानं की है, साथ ही जनता में अहंकारी और स्वावलम्बी सरकारों के खिलाफ आवाज बुलंद करने का होंसला भी जगा है.

बीजेपी छोड़ कर दूसरी पार्टियों में कई बड़े नेता गए तो क्या हुआऋ.. बीजेपी में दूसरी पार्टियों से लोग शामिल हुए हैं. पार्टी छोड़ना और दूसरी सियासी पार्टी में नेताओं का चला जाना यह कोई विकास या उन्नति का पैमाना या देश की जनता की समस्याओं का हल नहीं होता, क्योंकि नेताओं का दल बदलना कोई नया थैपवद नहीं है, बल्कि आजाद भारत की शुरुआत से ही यह सिलसिला चल रहा है.

असल तब्दीली Electoral System में कई तरह के सुधार लाने से होगी. चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के चयन के लिए एक खाका तैयार करना होगा और Delimitation या परिसीमन की कवाइद को खत्म करना होगा, यह लोकतंत्र और चुनावी पद्धति की रूह को खत्म करने का काम कर रही है.कुल मिलकर देश कई तरह की वापसी के मूड में नजर आरहा है.

—अली आदिल ख़ान, एडीटर, टॉप

Uttar Pradesh's Joint Committee on the Public Sector Undertakings and Corporations (2019-2020) Visits Lucknow Metro.

Today, the Joint Committee on the Public Sector Undertakings and Corporations (2019-2020)made an official visit to Lucknow Metro. Under the chairmanship of Shri Ramchandra Yadav who is also the member of Legislative Assembly, the committee commenced its visit from Sachivalay Metro Station.

The Joint Committee comprised Shri Bahoran Lal Maurya(MLA), Shri Subhash Rai(MLA), MLC Shri Heera Lal Yadav, Shri Santosh Yadav 'Sunny'(MLC), and Shri Bukkal Nawab(MLC).

The committee comprising members of Legislative Assembly and Legislative Council reviewed the passenger facilities like lifts, escalators, ticket counters and special amenities developed for the differently disabled.

UPMRC's MD Shri Kumar Keshav also briefed the committee about the technical nuances of the

underground metro station. He informed them about the technical procedures that are being followed to maintain a balanced air pressure and ventilation system in the underground metro stations of Lucknow Metro. Along with this, to provide in-depth understanding of the air pressure and ventilation mechanism, he took the committee members to the technical room. CCTVs form an important part of Lucknow Metro's security unit and its operations were also explained comprehensively by him.

The committee after completing the visit boarded the metro train from Sachivalay Metro Station to Chaudhary Charan Singh Airport Metro Station. During the train ride, the members of the committee also assessed the interior facilities like intercom, digital display, route map and CCTVs.

Chaudhary Charan Singh Airport Metro Station has been awarded for being the fastest constructed underground metro station by Limca Book of Records and its record time completion earned immense praise from the committee members.

The Joint Committee admired the efforts of Lucknow Metro for maintaining high standards, cleanliness and upkeep of smooth operations. They expressed satisfaction for their overall visit to the Lucknow Metro.

-ITN

سلسلہ جاری
محمد زبیر شیخ نے ۱۰۰
کتاب پیاری زبان اردو
اقبال لائبریری گوتم
پوری دہلی کو تحفہ
پیش کیااظہار تشکر
مخلص حکیم اجملی
آپ کا نمبر کب
9350578519

السلام علیکم جناب آپ کو
یہ جان کر خوشی ہوگی کہ
علامہ اقبال میموریل
لائبریری میں کتابوں کا آنے
کا سلسلہ شروع ہو گیا آپ
سے درخواست ہے کہ آپ
بھی تعاون کرے میوات سے
ڈاکٹر قمرالدین ذاکر صاحب
اور مسلم فنڈ نجیب آباد کے
مینیجر جناب اظفارالحق
ذکی صاحب کا شکریہ
9350578519

TALENT ZONE
ACADEMY for NEET / IIT-JEE
Run & Managed by the Alumni of IIT, AIIMS & IISc
The Faculties of Talent Zone Academy
Top Ranks Produced by Our Faculties in Past Years
IIT-JEE AIR 6th, 25th 30th, 41st ..
AIIMS/NEET AIR 1st, 2nd 16th, 46th ..
www.talentzoneacademy.com
+91- 8929050030, 8929050031, 8929050032
E-58/2, Jasola, Jasola Shaheen Bagh Metro Station, N.D. - 110025

ए एण्ड एस फार्मेसी
ए एण्ड एस फ़ार्मेसी का सपना
आयुवेर्दिक व यूनानी का फरोग़
Marketed by :
A & S PHARMACY®
A-143, CHAUHAN BANGER, DELHI-110053
E-mail : aspharmacydelhi2019@gmail.com
9350578519

TALENT ZONE
ACADEMY for NEET / IIT-JEE
NEET & IIT-JEE RESULT 2021
NEET 579 Malik Maaz Ahmad
NEET 569 Umar Farooq
NEET 608 Wali Ur Rahman
JEE (Mains) 96% Rehan Ansari
Contact Us
8929050030
8929050031
8929050032
E-58/2, Jasola, Near Jasola Vihar, Shaheen Bagh Metro Station New Delhi-110025

Congratulations
TO THE YOUNG AND TALENTED STUDENTS OF TALENT ZONE ACADEMY FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN NEET & IIT.
You all have proved that great things can be achieved through hard works and efforts I would also like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students This result marks the first stroke of the beginning

चेहरे की चमक और घर की
ऊँचाईयो पर मत जाना,
घर के बुजुर्ग अगर
मुस्कुराते मिले तो समझ जाना,
आशियाना अमीरों का हैं....

Sana homoeopathy Aligarh
HOMEOPATHY MEDICINE FOR DIABETES
9760291236

मसालों से रोग भगाएं

क्या आप ये सोचते हैं कि छोटी से छोटी समस्या के लिए आपको डॉक्टर के पास न जाना पड़े और महंगे इलाज ना कराने पड़ें? क्या् आपको ऐसा भी लगता है कि अंग्रेजी दवाइयों के अलावा इनका और कोई दूसरा इलाज नहीं है?अगर हां, तो जानिए, आपके लिये एक अच्छीअ खबर है।

अब आपको अपनी छोटी–छोटी बीमारियों के लिये मंहगे इलाज की आवश्याकता नहीं है क्योंचकि आज हम आपको एक पुराना नुस्खार बता रहे हैं जो शायद ही आपको किसी ने आपसे शेयर किया होगा।

इन 7 बीमारियों की एक दवा= हल्दी़लहसुऩलौंग। कई लोगों को इस पर विश्वोस नहीं होगा मगर हमारी खुद की रसोंई में ही इतनी सारी दवाइयां छुपी रखी हैं, कि हम उन्हें देख कर भी नजरअंदाज कर देते हैं।

बता दें, हल्दी, लहसुन और लौंग के कई औषधिय गुण होते हैं। आप 2 छोटी चम्मच हल्दी, 3 पीस लहसुन और 3 लौंग को मिक्सीस में पीस कर 1 कप गर्म दूध या गर्म पानी में मिलाकर रोज रात में पीकर सोएं। ऐसा करने से शरीर की 7 बीमारियां दूर रहेंगी।

बंद नाक को खोले

इन तीनों का मिश्रण अगर गरम पानी के साथ लिया जाए तो यह शरीर में गर्मी का उत्पादन कर के नाक की नली में हुई सूजन को कम करेगा और बंद नाक को खोलेगा।

डायबिटीज का इलाज

इन तीनों के मिश्रण से आपके शरीर का शुगर या ग्लूकोज स्तर भी कम होता है और टाइप 1 डायबिटीज में आपको असर दिखेगा।

गैसट्रायटिस को कम करने में

इन तीनों का मिश्रण से पेट में बनने वाले एसिड को बेअसर करता है और गैसट्रायटिस, पेट का फूलना और पेट दर्द से निजात दिलाता है।

एलर्जी कम करने में

इन तीनों का मिश्रण प्राकृतिक एंटीबॉयटिक का काम करता है और इससे कई तरह की एलर्जी जैसे त्वचा की एलर्जी और स्वास सम्बन्धी एलर्जी से बचाव संभव है ।वजन कम करने के लिए रोज सुबह खाली पेट गरम पानी के साथ इस मिश्रण को लेने से शरीर का मैटाबॉलिज्मी तेज होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में

इन तीनों के मिश्रण से आपकी आर्टरी में जमा फैट घुल जाती है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाता है।

शरीर के अंदर के इंफेक्शन को ठीक करता है

हल्दी, लहसुन और लौंग के मिश्रण में एंटी इंफ्लामेटरी गुण होते हैं इसलिए यह इंफेक्शन और शरीर के अंदर के सूजन और जलन को कम करता है। अगर आप काफी समय से एंटीबॉयटिक ले रहे हैं तो यह आपके रोग प्रतिरोधी क्षमता को कमजोर करता है। कई शोधों के द्वारा यह पता चला है। इसलिए अगर आपको कोई मामूली समस्या हो तो इसका प्राकृतिक इलाज करें।

–आरोग्य संहिता

पीपल में है गुप्त रोगों का ईलाज

आयुर्वेदानुसार पीपल कसैला, शीतल, मधुर, भारी, रुक्ष, शरीर का वर्ण निखारने वाला, काफ, पित्त, एवम रक्तदोष नष्ट करने वाला एवम पौष्टिक गुण युक्त है। यह सभी प्रकार की दुर्बलता, रक्त विकार एवम चर्मरोगों में, दन्त एवम मसूड़ों के दर्द निवारणार्थ, यकृत प्लीहा की बिमारियों में भी अत्यंत लाभकारी है।

पीपल पुरुष रोगों जैसे वीर्य की कमी, पतलापन, नपुंसकता, बहुमूत्रता, और स्त्री रोगों में प्रमेह, प्रदर, बांझपन, गर्भ शोधन इत्यादि के लिए अत्यंत प्रभावकारी है। पीपल पर लगने वाला फल छाया में सुखा कर पीस कर मैदा छानने वाली चलनी से छान लें। इसके एक चौथाई चम्मच को 250 ग्राम दूध में मिलाकर पियें। इस के नियमित सेवन से वीर्य बढ़ता है तथा नपुंसकता दूर होती है. बहुमूत्र की समस्या सही होगी एवम कब्ज रोग सही होगा।

पीपल की अन्तर्छाल स्तंभक एवम वीर्यवर्धन का गुण रखती है। इसके लिए इसकी अन्तर्छाल का काढ़ा बना कर पीना चाहिए। इसके फल को छाया में सुखाकर मैदे की तरह एक पाव दूध के साथ लेने से बंध्या स्त्री सेवन करें तो संतान उत्पन्न होगी। योनी रोग, प्रमेह, प्रदर, सफेद पानी, मासिक धर्म के विकार दूर होंगे।

बांझपन में या गर्भ शोधन के लिए स्त्री को रजोनिवृति के बाद लगातार 5 दिन तक हर रोज पीपल के एक ताजे पत्ते को गाय के दूध में उबालकर पीने से गर्भाशय शुद्ध होता है और गर्भ स्थापना होने पर उत्तम संतान उत्पन्न होती है। जब तक गर्भ स्थापना ना हो यह प्रयोग हर महीने करना चाहिए। इसके लिए हर बार नया ताजा पत्ता इस्तेमाल करें।

पीपल एवम बरगद की अन्तर्छाल को बराबर लेकर कर काढ़ा बनाकर कुल्ले करने से दांत एवम मसूड़ों के रोगों में प्रयाप्त लाभ होता है। मसूड़ों की सूजन, खून का आना, मसूड़ों से मवाद का आना इत्यादि रोगों में यह परम लाभकारी है।

–आरोग्य संहिता